# 10. माइकेल के पूर्वज नाइजीरिया से अमेरिका आए थे

माइकेल अमेरिका के एक नगर हूस्टन में रहता है। वहीं माइकेल का स्कूल है। उसके माता-पिता शहर में नौकरी करते हैं। फसल कटने के समय वे पास के खेतों में काम करने भी जाते हैं। एक दिन माइकेल की मां बोली, "माइकेल! उठो-उठो! देखो मैंने कहा था कि पड़ोस में नाइजीरिया से एक परिवार आने वाला है, वे लोग आ गए हैं। उनका एक बच्चा तुम्हारे बराबर है, जाओ उससे मिलो!" माइकेल को भी कई दिनों से प्रतीक्षा थी इन लोगों के आने की। मां ने यह भी बताया कि यह अफ्रीकी परिवार नाइजीरिया देश से आने वाला है। माईकेल जानता था कि बहुत सालों पहले उसके दादा परदादा नाइजीरिया से दास बनाकर अमेरिका लाए गए थे। तुमने पढ़ा है कि उस समय नाइजीरिया और निकट के प्रदेशों के हज़ारों लोग अमेरिका लाए गए थे। दास प्रथा तो अमेरिका में अब नहीं है लेकिन माइकेल का परिवार फिर नाइजीरिया नहीं लौटा, अमेरिका में ही बस गया। वे अब अमेरिका के हूस्टन शहर में रहते हैं।

*मानचित्र में देखो नाइजीरिया से अमेरिका कितनी दूर है।*

माइकेल जल्दी से तैयार हुआ और नए दोस्त से मिलने चला। वह घर के बाहर का फाटक खोल कर घुसा ही था कि बाहर घास पर उसी की उम्र का एक लड़का खेल रहा था। माइकेल ने कहा, "मेरा नाम माइकेल है। मैं तुम्हारे पड़ोस में रहता हूं। क्या तुम अभी नाइजीरिया से आए हो?" लड़का माइकेल को देखकर बहुत खुश हुआ। इस नए देश में उसका कोई मित्र नहीं था। उसने कहा, "मेरा नाम नबी है। मैं नाइजीरिया के लेगोस नगर से कुछ महीनों के लिए अपने चाचा के पास अमेरिका आया हूं।" माईकेल ने उसे बताया कि उसके परदादा भी कभी नाइजीरिया से अमेरिका लाए गए थे। फिर तो माइकेल और नबी दोस्त बन गए। नबी उसे अपने देश की तरह-तरह की बातें बताता और माइकेल हाथ पर सिर रखकर सोचता, क्या कभी मैं भी नाइजीरिया देख पाऊंगा?

## सर्दी, गर्मी और बरसात

एक दिन जब पानी बरसने लगा, नबी ने कहा, "यहां अमेरिका में तो सर्दी पड़ रही है और पानी भी कभी-कभी ही बरसता है। पर हमारे लेगोस में तो कभी सर्दी ही नहीं पड़ती। हमेशा गर्मी रहती है, और साल भर पानी भी खूब बरसता है।

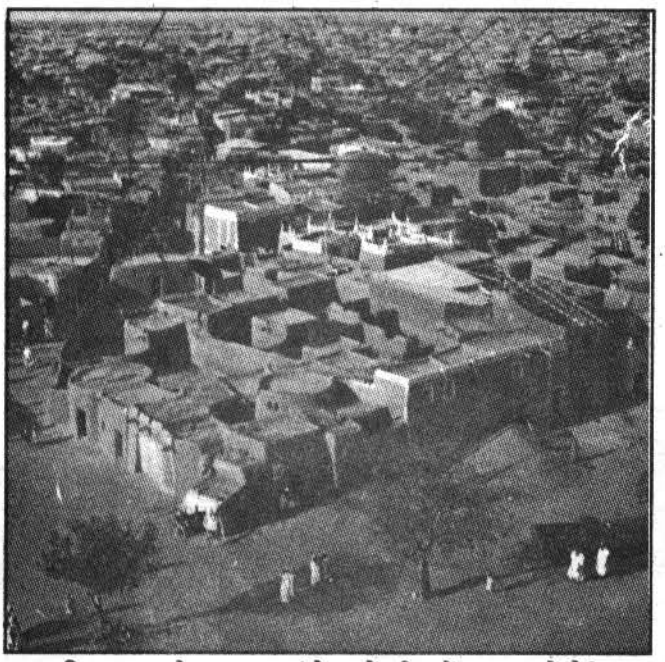

चित्र–2 कानो शहर : यहां के घरों की छतें सपाट क्यों हैं?

माइकेल सोचने लगा कि ऐसा क्यों है? तब नबी अपनी किताबों में से एटलस निकाल लाया और अमेरिका का मानचित्र दिखा कर बोला, "अमेरिका के टेक्सास राज्य का यह नगर हूस्टन जहां हम लोग अभी हैं, यह तो भूमध्य रेखा से काफी उत्तर में है। (उत्तरी अमेरिका का मानचित्र निकालकर तुम भी टेक्सास राज्य में हूस्टन नगर को देखो) लेकिन लेगोस भूमध्य रेखा के बिल्कुल निकट है। वहां सूर्य साल भर सिर पर ही चमकता रहता है इसीलिए वहां गर्मी भी खूब पड़ती है और वर्षा भी साल भर होती रहती है।" माइकेल बोला, "तब तो तुम्हारा देश नाइजीरिया भूमध्य रेखीय जलवायु का है।" नबी हंसने लगा और बोला, "मैं भी ऐसा सोचता था, लेकिन जब मैं उत्तरी नाइजीरिया के नगर कानो गया तब मेरी समझ में आया कि भूमध्य रेखीय जलवायु केवल दक्षिणी नाइजीरिया में है। उत्तरी भाग में हल्की सर्दी का मौसम भी होता है। और मई से अक्टूबर तक ही कुछ वर्षा होती है। वहां लेगोस की तरह साल भर वर्षा नहीं होती।" फिर वह एक किताब निकाल लाया और उसने नाइजीरिया की वर्षा का मानचित्र दिखाया। वैसा ही एक मानचित्र हमने दिया है।

*देखो, लेगोस और कानो कहां पर हैं?*
*कौन नगर भूमध्य रेखा के निकट है, कौन सा दूर?*
*यह भी देखकर बताओ कि नाइजीरिया में किस हिस्से में वर्षा सबसे अधिक होती है? किस दिशा में वर्षा कम होती जाती है?*

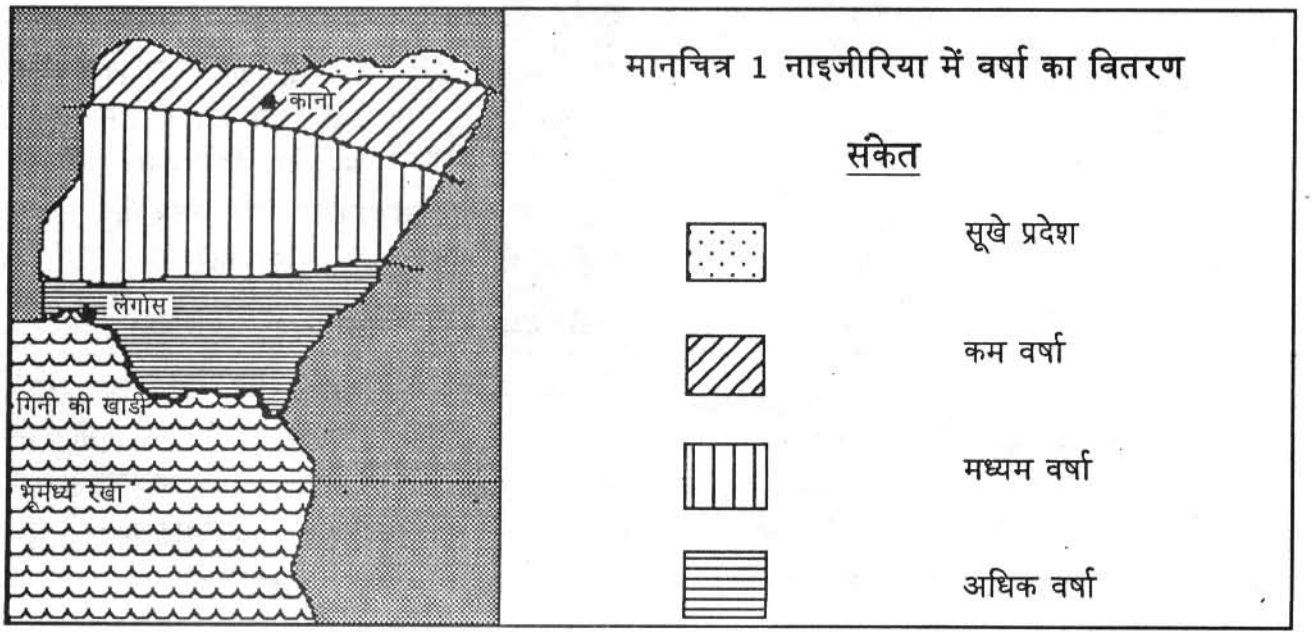

## प्राकृतिक वनस्पति

नबी ने यह भी बताया कि नाइजीरिया के दक्षिण में जैसे पेड़ होते हैं वैसे उत्तरी नाइजीरिया में नहीं पाए जाते।

*नाइजीरिया की प्राकृतिक वनस्पति का मानचित्र 2 दिया गया है। इसकी तुलना वर्षा के मानचित्र से करो और बताओ:*

*1. अधिक वर्षा की वनस्पति .....*

*2. मध्यम वर्षा की वनस्पति .....*

*3. कम वर्षा की वनस्पति .....*

*4. सूखे प्रदेश की वनस्पति*

नबी ने कहा, "नाइजीरिया का उत्तरी भाग तो लगभग रेगिस्तानी है। यह सहारा रेगिस्तान का ही हिस्सा है।"माइकेल ने नबी से वह किताब पढ़ने के लिए ले ली। उसमें नाइजीरिया के कुछ चित्र भी दिए थे। अब तो तुम्हें भी उत्सुकता होगी कि नाइजीरिया के बारे में कुछ और जानें।

### समुद्र के दलदली किनारे और मैदानी वन

नाइजीरिया का समुद्री किनारा समुद्र से अधिक ऊंचा नहीं है। ज्वार आने पर समुद्र का नमकीन पानी इन तटीय भागों, छोटी-छोटी खाड़ियों, और नदियों के मुहानों में भर जाता है। भाटा आने पर पानी फिर उतर जाता है।

ऐसे तटीय भागों में नमकीन पानी से बने दलदल के कारण मैंग्रोव नामक वृक्ष बहुतायत से होते हैं। नाइजीरिया में ऐसे वनों की पट्टी 16-96 कि.मी. तक चौड़ी है। चित्र 4 को देखो, मैंग्रोव वन की कितनी सारी जड़ें दलदल के ऊपर निकली हैं। इनसे पेड़ों की जड़ों को हवा मिलती रहती है। ये वे जड़ें हैं जो ज्वार आने पर पानी में डूब जाती हैं। ऐसे वन अपने देश में गंगा नदी के मुहाने पर भी पाए जाते हैं। अपने यहां सुंदरी नामक पेड़ ऐसे ही पेड़ हैं। मैंग्रोव पेड़ की लकड़ी भारी और मज़बूत होती है। इसका फल भी मीठा होता है।

चित्र - 3 मैंग्रोव पेड़ की जड़ें

नाइजीरिया में समुद्र के किनारों पर रफ़िया पाम के वृक्ष भी खूब होते हैं। नारियल के वृक्ष भी पूरी पट्टी में मिलते हैं। ऐसे वन मैंग्रोव जंगलों से भीतर की ओर लगभग 80 से 160 कि.मी. की पट्टी में मिलते हैं। यहां नमकीन पानी तो नहीं पहुंचता लेकिन अधिक वर्षा के कारण भूमि दलदली होती है। इन वनों में खूब मोटे और ऊंचे पेड़ होते हैं।

### मानचित्र 2 नाइजीरिया की प्राकृतिक वनस्पति

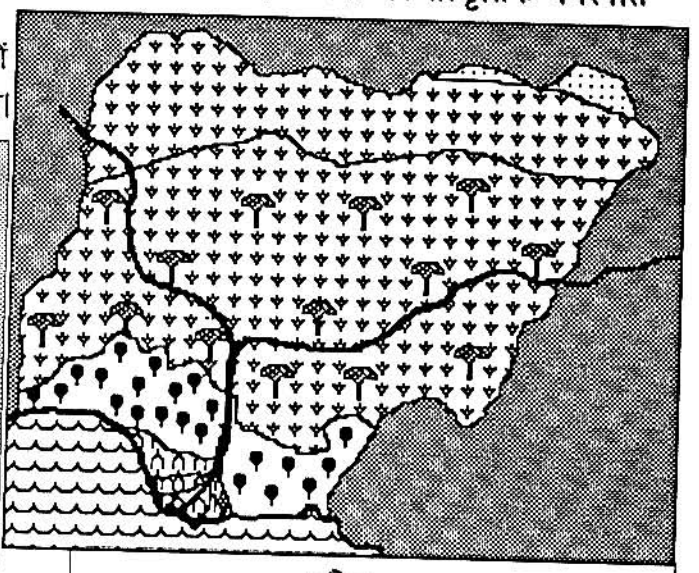

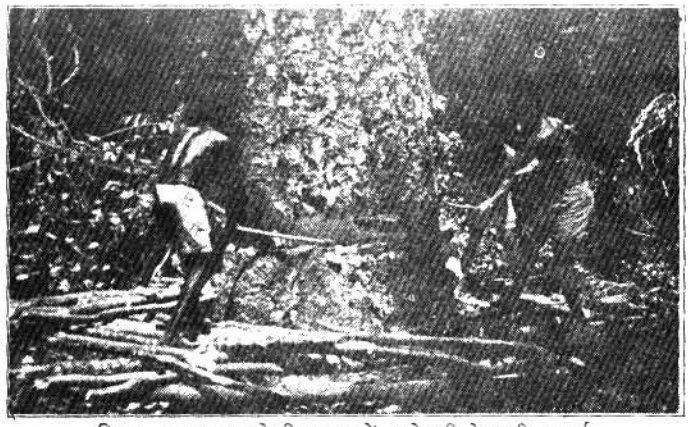

चित्र - 4 भूमध्य रेखीय वन में महोगनी पेड़ की कटाई

*इस तरह के भूमध्य रेखीय वनों के बारे में तुमने ..... देश में भी पढ़ा था।*

चित्र 4 में देखो। क्या इतना बड़ा पेड़ तुमने आस-पास के जंगलों में देखा है? कई पेड़ तो 60 मीटर ऊंचे तक होते हैं। इनमें महोगनी, आबनूस, अफ्रीकी अखरोट, ओबचे आदि पेड़ों के मिले-जुले जंगल हैं। एबोनी की लकड़ी काली, रेडवुड की लाल और साइकामोर पेड़ की लकड़ी सफेद होती है। अपने देश में तो अधिकतर भूरे रंग की लकड़ी होती है।

*क्या इन रंगों की लकड़ी अपने आस-पास के पेड़ों में देखी है?*

इस लकड़ी की मांग विदेशों में, विशेषकर यूरोप में, बहुत है क्योंकि यह बहुत भारी और मज़बूत होती है। पहले तो इससे जहाज़ और नावें बनाई जाती थीं। रेल की पटरियों के नीचे इसकी लकड़ी के लट्ठे बिछाए जाते हैं।

चित्र–5 नाइजीरिया का एक प्लाईवुड कारखाना

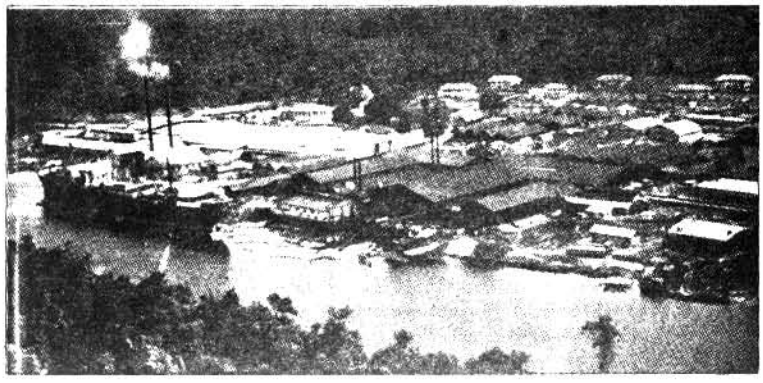

लकड़ी नाइजीरिया देश का मूल्यवान धन है। इसे विदेशों में बेचकर वे धन कमाते हैं। लेकिन वनों की कटाई से कई समस्याएं भी हो रही हैं।

## उत्तरी नाइजीरिया के सवाना तथा सूखे प्रदेश

यह तो हुई समुद्र तट के वनों की बात। लेकिन तुम जानते हो कि नाइजीरिया में भीतर की ओर वर्षा कम होती जाती है। इसलिए यहां दूर-दूर पर पेड़ उगते हैं,बीच में घास उग आती है। यही सवाना प्रदेश है। यहां के पेड़ बहुत ऊंचे भी नहीं होते।

नदियों के पास जहां पानी अधिक मिलता है पेड़ अधिक संख्या में और नज़दीक-नज़दीक उग आते हैं। तुमने सोचा कि सवाना प्रदेश मे पेड़ों के बजाय घास अधिक क्यों होती है? पेड़ों को जो ज़्यादा पानी चाहिए। कम वर्षा में घास ज़्यादा उग पाती है। लेकिन घास तो तुमने देखा होगा कि बरसात होने पर तेज़ी से उगती है और सूखा मौसम आने पर सूख कर खत्म हो जाती है। फिर अगले साल नई घास उगती है। यही सवाना प्रदेश में भी होता है।

सवाना के गर्म प्रदेश की घास कड़ी और सूखी सी होती है। ठंडे प्रदेशों जैसे ईरान, पोलैंड, फ्रांस की तरह मुलायम और रसीली नहीं। इसलिए बड़े पैमाने पर सवाना प्रदेशों में पशुपालन नहीं होता था। फिर भी कुछ कबीलों का धंधा पशुपालन है। ये लोग गाय पालते हैं। यहां पशुपालन अब विकसित किया जा रहा है। अच्छी नस्ल के दुधारू जानवरों को पालने का इंतज़ाम किया जा रहा है।

उत्तर में ज्यों-ज्यों वर्षा और कम होती जाती है वनस्पति भी बदलती जाती है। छोटी घास और छोटे पेड़ दिखने लगते हैं। पेड़ भी छाते की तरह फैले हुए हैं। (चित्र-6)

तुम यदि ग्वालियर या राजस्थान गए हो तो देखा होगा कि वहां भी छोटे कांटों वाले पेड़ और कांटों वाली झाड़ियां और बीच-बीच में घास होती है, क्योंकि वहां भी वर्षा कम होती है।

चित्र–6 सवाना प्रदेश, यहां छाते की तरह फैले वृक्ष देखो

## नाइजीरिया के प्राकृतिक हिस्से

नाइजर का डेल्टा: माइकेल ने नाइजीरिया के वनों और सवाना प्रदेशों की बात तो पढ़ ली लेकिन वह सोचने लगा कि यूरोप के लोग इन जंगलों में कैसे घुस कर लोगों को बटोर कर दास बना लाते थे? नक्शे ने बताया कि गिनी की खाड़ी के तट पर तो दलदल, घने वनों, घनघोर वर्षा और ज्वार-भाटा के कारण भीतर घुसना बड़ा कठिन है। मुहाने के पास रेत के अनेक छोटे-छोटे द्वीप हैं। किनारे का मैदान भी ऊंचा-नीचा है।

यूरोप के लोग जब नाइजीरिया के तट पर समुद्री मार्ग से आए तो इन्हीं बाधाओं के कारण भीतर तक नहीं आ पाते थे। फिर कुछ बंदरगाह बने, जहां जहाज़ रुकने लगे और छोटे जहाज़ नाइजर नदी से भीतर तक जाने लगे। यहीं पर दास इकट्ठा किए जाते और अमेरिका भेजे जाते थे। बाद में इन्हीं बंदरगाहों से लकड़ी तथा और सामान बाहर भेजा जाने लगा। माइकेल ने मानचित्र निकालकर नाइजर नदी को देखा। नाइजर नदी तो किनारे पर कई शाखाओं में बंट कर गिरती है। नदी के ऐसे मुहाने को डेल्टा कहते हैं।

*कक्षा की दीवार पर अफ्रीका का मानचित्र टांग कर देखो कि यह नदी कहां किस देश से निकलती है और नाइजीरिया से होती हुई किस सागर में गिरती है।*

*भारत की कौन सी नदी का बहुत बड़ा डेल्टा है?*

*डेल्टाओं में खेती करने में क्या दिक्कतें हो सकती हैं?*

चित्र–7 नाइजर डेल्टा की एक बस्ती

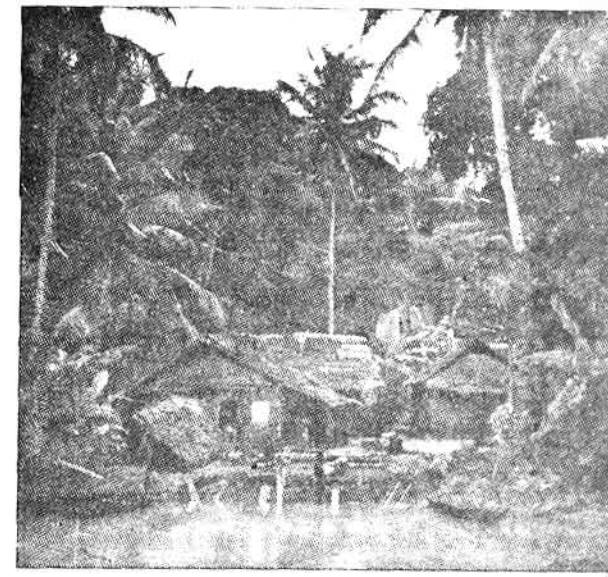

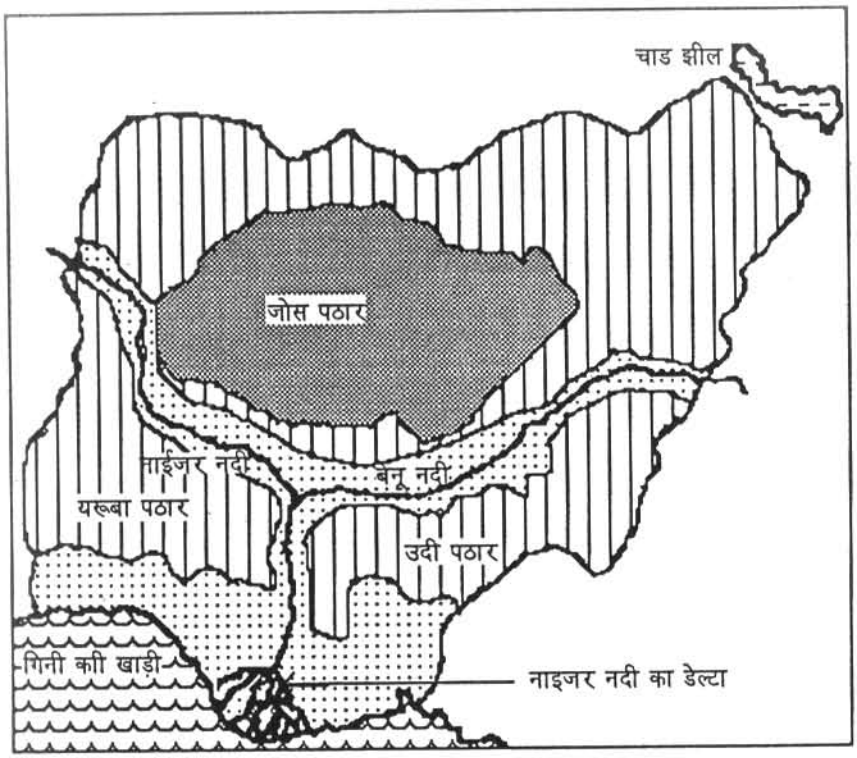


मानचित्र 3 नाइजीरिया की प्राकृतिक बनावट

संकेत

600 से 1200 मीटर

300 से 600 मीटर

300 मीटर से कम

## नदियों की घाटियां तथा पठार

नाइजीरिया के समुद्र तट के भागों में लगभग 120 मीटर ऊंचाई है।

*बताओ यह ऊंचाई किस सतह से नापी गई?*

इस मैदान से धीरे-धीरे ऊंचाई बढ़ती है। कुछ उत्तर में जाने पर यरूबा तथा उदी पठार आते हैं जिनकी ऊंचाई लगभग 300 मीटर है। इन्हें मानचित्र - 3 में देखो।

*देखो इनमें कौन सी नदियों की घाटियां हैं -*

*1.* *2.*

इन घाटियों के उत्तर की ओर जोस पठार है। यह लगभग 1200 मीटर ऊंचा है। पठार पर पहुंचने के लिए कगार पर चढ़ना होता है। उत्तर-पूर्व में फिर छोटे-छोटे कगारों से उतरना होता है। यहां चाड झील है। मानचित्र में इस झील को देखो।

*इस तरह नाइजीरिया के 4 हिस्से हुए। उनके नाम लिखो:*

*1.* *2.* *3.* *4.*

## नाइजीरिया की खेती

नबी से मिलने माइकेल कई दिन नहीं आया तो नबी उसके घर गया। माइकेल ने बताया कि उसके माता-पिता कपास के खेतों में काम करने गए हैं इसलिए उसे घर पर रहना होता है। नबी ने आश्चर्य से पूछा, "तो क्या यहां अमेरिका में भी कपास होती है?" माइकेल ने पूछा, "क्या नाइजीरिया में भी कपास होती है, जो तुम इतने आश्चर्य से पूछ रहे हो?" नबी ने कहा, "हां! लेकिन तुम तो अब जान गए हो कि हमारे देश में दक्षिण और उत्तर की जलवायु में अन्तर है, इसीलिए सब जगह एक ही फसल नहीं होती, अलग-अलग होती हैं।"

**दक्षिण नाइजीरिया की फसलें तथा बगान:** माइकेल ने चाकलेट निकालकर नबी को खिलाई। नबी ने पूछा, "तुम्हें पता है यह चाकलेट मिठाई कोको से बनती है?" माइकेल बोला, "यह तो मुझे मालूम है लेकिन मैंने इसका फल कभी नहीं देखा।" नबी ने खोज कर एक किताब में कोको का फल दिखाया और कहा, "नाइजीरिया में तो कोको पैदा करने के लिए बगान लगाए गए हैं।" नबी ने बताया कि

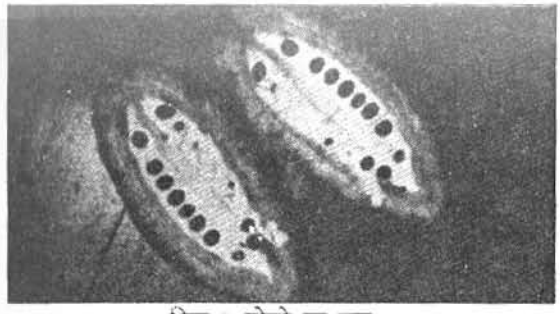

चित्र-8 कोको का फल

नाइजीरिया के दक्षिणी हिस्से के वनों की पेटी में कोको के अलावा रबर के भी बगान हैं। तेल वाले ताड़ (पाम) भी खूब होते हैं। इनके फल से तेल निकाला जाता है। नाइजर नदी की धाराओं पर नावों से पाम का फल इकट्ठा किया जाता है। तेल वाले ताड़ के वृक्ष तो देखो।

पहले तो ये सब पेड़ जंगल में उगते थे। लेकिन जब इन चीज़ों की मांग बढ़ी तो जंगलों के बीच जगह साफ करके बगान लगाए गए और बड़े पैमाने पर इनका उत्पादन होने लगा। कोको, रबर, पाम तथा उसका तेल संसार के बहुत देशों को जाने लगा। इससे नाइजीरिया को धन मिलने लगा।

चित्र-9 काको पेड़

चित्र-10 महिलाएं कोको बाज़ार ले जा रही हैं - सड़क के किनारे पाम तेल के ताड़ दिख रहे हैं

*मानचित्र 4 में देखो यह फसलें नाइजीरिया के किस हिस्से में होती हैं?*

माइकेल ने पूछा, "जब ये पेड़ जंगल में उगते थे तो बगान क्यों लगाए गए? किसने लगाए ये बगान?" नबी ने बताया, "यहां बगानी खेती अंग्रेज़ों के आने के बाद शुरू हुई।"

बगान लगाने में कई सुविधाएं हुईं। एक तो इन पेड़ों की खोज में जंगल में घूमना नहीं पड़ता। एक जगह पेड़ लगाने से उनकी देखरेख भी आसान हो गई। उत्पादन को पेड़ों से इकट्ठा करना भी आसान हो गया। फिर उत्पादन भी बड़ी मात्रा में मिलने लगा। व्यापार के लिए यह भी ज़रूरी था।

यही नहीं कोको के बीज निकालने, सुखाने, पाम से तेल निकालने, रबर के दूध से रबर बनाने के कारखाने भी बगानों में लगा लिए गए। इन बगानों में नाइजीरिया के निवासी काम करते थे। अंग्रेज़ तो केवल प्रबंध के लिए

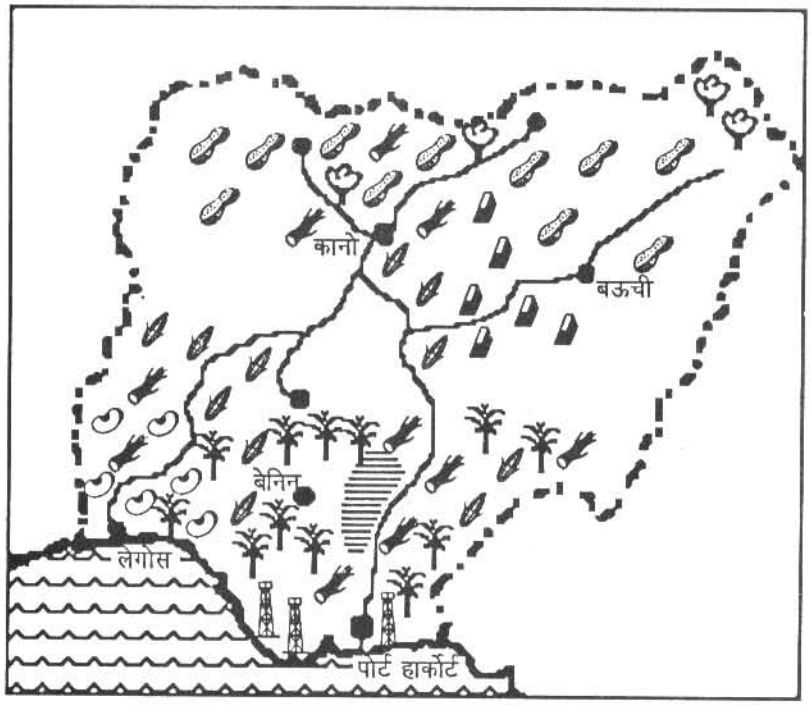


मानचित्र 4 नाइजीरिया की फसलें और खनिज संपदा

संकेत

| | | | |
|---|---|---|---|
| | पाम तेल | | कपास |
| | मक्का | | टीन |
| | कसावा | | खनिज-तेल |
| | कोको | | कोयला |
| | मूंगफली | | रेल लाईन |

रहते थे। इस तरह नाइजीरिया में तेल वाले पाम या ताड़, कोको और रबर की व्यापारिक कृषि होने लगी।

पाम तेल, कोको और रबर के व्यापार का लाभ भी अंग्रेज़ लेते थे। नाइजीरिया के लोग तो कृषि मज़दूरों की तरह काम करते थे। अंग्रेज़ों के समय में अपने देश में भी चाय, कॉफी के बगान लगाए गए और व्यापार के लिए ये चीज़ें पैदा की जाने लगी थीं। 1960 तक नाइजीरिया अंग्रेज़ों के अधीन रहा। लेकिन 1960 में जब नाइजीरिया स्वतंत्र हुआ तब बगान और बगान की उपज का व्यापार धीरे-धीरे नाइजीरिया के लोगों के हाथ में आया।

माइकेल नबी से बोला, "अच्छा, ये तो विदेशों में बिकने वाली चीज़ें हुईं। तुम्हारे यहां किसान अपने खाने के लिए क्या पैदा करते हैं?" नबी ने बताया कि लोगों को भोजन याम, कसावा, गिनी कार्न, मक्का, चावल तथा फलियों की खेती से मिलता है। कसावा शकरकंद जैसे कंद हैं। यह यहां के लोगों का महत्वपूर्ण भोजन है। (चित्र -11)

जंगल के बीच कबीले भूमि साफ करते हैं, और कटे पेड़ों को जला देते हैं। फिर सभी परिवारों को थोड़ी-थोड़ी भूमि बांट दी जाती है। माइकेल बोला, "थोड़ी ज़मीन क्यों? अमेरिका में तो कई सौ एकड़ तक के जोत होते हैं।" नबी बोला, "अमेरिका में भूमि मशीनों, जैसे ट्रैक्टर, से जोती जाती है, और उत्पादन व्यापार के लिए होता है। नाइजीरिया में किसान सिर्फ परिवार की ज़रूरत के लिए अनाज उगाते हैं। वे अधिकतर कुदाल से भूमि तैयार करते हैं। वहां अभी भी बैल या घोड़े से खींचने वाले हल का इस्तेमाल बहुत कम है। इसलिए उपज भी कम होती है।"

चित्र-11 कसावा

## उत्तरी नाइजीरिया के सवाना प्रदेश में खेती तथा पशु पालन

*तुम जान चुके हो सवाना मुख्यत: घास का प्रदेश है। याद करके बताओ, यहां दक्षिणी नाइजीरिया के समान वन क्यों नहीं उगते हैं? और यह भी बताओ कि उत्तर की ओर घास, छोटी और कंटीली झाड़ियां क्यों उगने लगती हैं?*

चित्र-12 बाज़ार में कसावा बिक रहा है

उत्तरी नाइजीरिया के इस कम वर्षा के प्रदेश में तुम जानते हो कि रबर, कोको आदि की फसलें नहीं हो सकतीं। यहां ऐसी फसलें होती हैं जो हल्की वर्षा में भी हो सकें। भोज्य फसलों में प्रमुख हैं- ज्वार-बाजरा जैसे मोटे अनाज, गिनी कार्न और कसावा। कुछ प्रदेशों में गेहूं भी होता है। यहां खेतों के बीच में पेड़ लगे दिखते हैं, उन्हें काटते नहीं हैं।

*उत्तरी नाइजीरिया के कम वर्षा के प्रदेश और दक्षिणी नाइजीरिया के अधिक वर्षा वाले प्रदेशों की फसलों की सूची बनाओ।*

यहां कुछ व्यापारिक फसलें भी किसान उगाते हैं जैसे कोलानट, मूंगफली, तंबाकू तथा कपास। कोका कोला, थम्सअप नामक ठंडे पेय के नाम तुमने सुने होंगे। कोका कोला में कोला नट डलता है। इसीलिए कोलानट की मांग कई देशों में है।

उत्तरी नाइजीरिया में कपास बहुत पुराने समय से उगाई जाती है। कपास से यहां के लोग हाथ करघा से कपड़ा बनाते हैं और व्यापार के लिए भी कपास उगाते हैं। इसीलिए कपास उगाने का क्षेत्र रेल मार्गों के निकट है जिसे भेजने में आसानी होती है। अब तो नाइजीरिया में कपड़ा बनाने के कारखाने भी लगाए जा रहे हैं।

*मानचित्र में कपास और मूंगफली उगाने के क्षेत्रों को देखो।*

नाइजीरिया में मूंगफली भी खूब होती है। मूंगफली यहां अंग्रेज़ों के साथ आई। मूंगफली के लिये यहां की मिट्टी और जलवायु ठीक थी तो इसकी खेती एक बड़े प्रदेश में होने लगी। कानो और कडूना में मूंगफली से तेल निकालने के कारखाने भी लग गए हैं।

## खनिज तेल

एक दिन माइकेल खूब खुश था, उसने नबी को बताया, "हम लोग स्कूल से खनिज तेल के क्षेत्र देखने गए थे। मोटर गाड़ी में तो रोज पेट्रोल डालते हैं लेकिन मैंने आज खनिज तेल का नलकूप देखा है। मैंने सुना है कि नाइजीरिया में भी तो अब तेल निकाला जाता है।"

*मानचित्र में नाइजीरिया के खनिज तेल के क्षेत्रों को देखो। बताओ तेल किन बंदरगाहों से विदेश जाता होगा?*

1958 से नाइजीरिया खनिज तेल बाहर भी भेजता है। अब तो तेल साफ करने के कारखाने भी पोर्ट हार्कोट तथा वारी बंदरगाहों पर लगाए गए हैं। ऐसा एक कारखाना नाइजीरिया के मध्य में स्थित नगर कडूना में लगाया जा रहा है।

माइकेल बोला, "तब तो इस तेल के निर्यात से नाइजीरिया को विदेशों से खूब धन मिलता होगा।" नबी

कुछ उदास हो गया। वह बोला, "अभी तो यह उद्योग अधिकतर विदेशी कंपनियों के हाथ में है। नाइजीरिया की सरकार का उसमें कुछ हिस्सा है। फिर भी बहुत लोगों को इससे अब रोज़गार मिलने लगा है।"

माइकेल नाइजीरिया के खनिजों का मानचित्र देखने लगा और बोला, "तुम्हारे देश में तो अब बहुत से खनिज निकाले जाते हैं।" नबी ने बताया कि अंग्रेज़ों ने तो खनिजों की बहुत खोज नहीं की थी लेकिन अब कई खनिज खोजे गए हैं और निकाले जाते हैं।

*तुम भी मानचित्र देखकर बताओ नाइजीरिया में कौन से खनिज निकाले जाते हैं।*

नबी ने बताया कि अब तो और धातुएं जैसे जस्ता, सीसा, लोहा आदि भी निकाली जाने लगी हैं। माइकेल को उत्सुकता हुई कि नाइजीरिया प्राकृतिक संपदा और खेती की उपज में काफी धनी है तो वहां के लोग भी धनी होंगे। नबी ने बताया, "यह सब हमारे यहां है। फिर भी अब तक उनका पूरा उपयोग नहीं हो पाया है। हमारे कई प्रमुख संसाधन विदेशी व्यापारियों के हाथ में रहे हैं। अब धीरे-धीरे हमारे देशवासी अपना उद्योग लगा रहे हैं। कई छोटे-बड़े कारखाने लगाए जा रहे हैं। अपनी संपदाओं का लाभ खुद उठाने का प्रयास कर रहे हैं। हमें पूरी आशा है कि हम इस कोशिश में सफल होंगे चाहे हमें इसके लिए जितना लड़ना पड़े, मेहनत करना पड़े।"

चित्र-13 उत्तरी नाइजीरिया का एक गांव। इस गांव में रहने वाले लोग क्या काम करते होंगे? इस गांव में और तुम्हारे आसपास के गांवों में क्या अंतर व समानता तुम देख सकते हो?

## अभ्यास के प्रश्न

1. नाइजीरिया के दक्षिणी हिस्से में पाए जाने वाले वनों की लकड़ी किन कामों में आती है ?
2. नाइजीरिया के दक्षिणी हिस्से की तीन फसलों के नाम बताओ जिनका व्यापार होता है।
3. नाइजीरिया के किसान भोजन के लिए जो फसलें उगाते हैं उनमें से कम से कम चार का नाम बताओ।
4. उत्तरी नाइजीरिया के कुछ कबीले पशुपालन क्यों करते हैं? वहां पशुपालन में क्या कठिनाई है?
5. नाइजीरिया के दक्षिण से जब तुम उत्तर में जाओगे तो तुम्हें किन-किन बातों में फर्क नज़र आएगा? चार पांच वाक्यों में लिखो- क) धरातल ख) वर्षा ग) वनस्पति
6. उत्तरी नाइजीरिया तथा दक्षिणी नाइजीरिया के काम धंधों को नीचे की सूची में से चुनो–

| कामों की सूची | उत्तरी नाइजीरिया | दक्षिणी नाइजीरिया |
|---|---|---|
| 1. कोयला निकालना | | |
| 2. टीन निकालना | | |
| 3. खनिज तेल निकालना | | |
| 4. पशुपालन | | |
| 5. रबर के बगान लगाना | | |
| 6. पाम के पेड़ लगाना तथा फल चुनना | | |
| 7. मूंगफली उगाना | | |
| 8. कपास पैदा करना | | |
| 9. जहाज़ों से सामान उतारना-चढ़ाना | | |
| 10. मूंगफली का तेल निकालना | | |
| 11. पाम तेल निकालना | | |
| 12. कोको उगाना | | |
| 13. याम, कसावा पैदा करना | | |
| 14. कोलानट उगाना | | |
| 15. लकड़ी काटना, बेचना | | |

7. चित्र 2 और चित्र 7 के बीच तुम्हें क्या क्या फर्क दिख रहे हैं? क्या तुम इस फर्क का कारण समझा सकते हो?
8. यरूबा पठार और जोस पठार की ऊंचाई कितनी है?